

(k3/1700/gg-sh)|

Comment [MSOffice1]: Fld. By j3

SHRI M.B. RAJESH (PALAKKAD): If it is beneficial, why is their Government in Kerala opposing it? Their own State Government in Kerala is opposing it. Please explain that. ... (*Interruptions*)

श्री कपिल सिब्बल : मैडम स्पीकर, अब मैं अपनी आखरी बात रखूंगा। ... (व्यवधान)

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर, हि.प्र.): मैडम कांग्रेस केरल में क्यों अपोज कर रही है? इससे सबसे ज्यादा नुकसान देश के मुस्लिमों को होने वाला है। ... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अनुराग जी, बैठ जाइए।

... (व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing is going on record.

(*Interruptions*) ... (*Not recorded*)

श्री कपिल सिब्बल : मैं आखरी बात कहना चाहता हूँ कि यहां लोकतंत्र और डेमोक्रेसी की बात की जाती है। विपक्ष के नेता को मैंने बड़े ध्यान से सुना है। जब-जब ये हाऊस नहीं चलने देते हैं तो कहते हैं कि लोकतंत्र का तो कोई मतलब ही नहीं है, क्योंकि सत्ता पक्ष के पास नंबरर्स हैं। हम डिबेट करेंगे तो सत्ता पक्ष जीत जाएगा। मतलब कि डिबेट करने का तो कोई मायने ही नहीं है। इसलिए हम हाऊस ही नहीं चलने देंगे। यह बयान आया है। जेटली साहब का बयान है। मैं पढ़ देता हूँ। ... (व्यवधान)

He says -

“If we would have taken debate under Rule 184, they would have won because they have the numbers.”

श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा): मैडम, मेरा पॉइंट ऑफ आर्डर है। ... (व्यवधान) वे दूसरे सदन के नेता हैं। ... (व्यवधान)

SHRI KAPIL SIBAL: Shri Jaitley said it. ... (*Interruptions*)

श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा): आप उनका नाम नहीं ले सकते हैं। ... (व्यवधान)

श्री कपिल सिब्बल : मैं उनका नाम क्यों नहीं ले सकता हूँ? ... (व्यवधान)

श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा): नहीं, आप उनका नाम नहीं ले सकते हैं। ... (व्यवधान) वे दूसरे सदन के नेता हैं।

अध्यक्ष महोदया : मैं, इस बात को दिखवा लूंगी। आप बैठ जाइए।

... (व्यवधान)

श्री कपिल सिब्बल : वे विपक्ष के नेता हैं। ... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए, हम इसको दिखवा लेंगे।

... (व्यवधान)

श्री कपिल सिब्बल : वे भाजपा के नेता हैं। ... (व्यवधान) ये बयान उन्होंने बाहर दिया था। ... (व्यवधान) ये बयान उन्होंने सदन में नहीं दिया था। ... (व्यवधान) मैं उसका वर्णन कर रहा हूँ। ... (व्यवधान) वे कहते हैं कि डिबेट करने का कोई फ़ायदा नहीं है ... (व्यवधान) “We have the numbers and we would have won”. क्योंकि उनको उस समय लगता था कि शायद हम जीत सकते हैं। अब वे लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। अब कहते हैं कि वोट होना चाहिए। ... (व्यवधान) जब सुबह-सुबह पता लगा कि वे भी हार जाएंगे तो बोले आज नहीं होना चाहिए। कल होना चाहिए। परसों होना चाहिए। तीस दिन के बाद होना चाहिए। ... (व्यवधान) अब आपको पता चल गया है कि वोट किस तरफ है। ... (व्यवधान) ये तो साफ़ ज़ाहिर हो गया है कि आपको पता चल गया है कि आप कहां हैं। ... (व्यवधान) When we look at this side of the House, Madam, we just do not look at the Opposition; we look at the young beyond the House; we look at those energetic faces, those young people. ... (Interruptions)

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): मैडम, हमारे यहां चर्चा की तारीख और समय बीएसी में तय हुआ था। आप स्वयं प्रिसाइड कर रही थीं। संसदीय कार्य मंत्री जी बैठे हुए हैं। क्या हमने कहा था कि कल नहीं करेंगे, परसों नहीं करेंगे? ... (व्यवधान)

श्री कपिल सिब्बल : आपने अभी यह बात कही है। ... (व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): ये बेवजह की बात कर के गुमराह कर रहे हैं। ... (व्यवधान)

श्री कपिल सिब्बल : आपने अभी यह कहा है कि हमें वोट नहीं चाहिए। ... (व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): यह तय किया गया था कि 4 तारीख को चर्चा करेंगे। ... (व्यवधान) हम तो सेम डे करने को तैयार हैं। ... (व्यवधान)

श्री कपिल सिब्बल : आप कह रहे थे कि हमें वोट नहीं चाहिए। 30 दिन के बाद वोट करेंगे। ... (व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): हमने कब कहा? हमने नहीं कहा है। ... (व्यवधान) हम उसी दिन कर लेते। ... (व्यवधान) आप लोगों ने चार दिन संसद नहीं चलने दी। ... (व्यवधान)

MADAM SPEAKER: All right, I will see.

... (*Interruptions*)

SHRI KAPIL SIBAL: Shrimati Sushma Ji, I am closing. ... (*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): मगर ये लगातार गलत बोल रहे हैं। ... (व्यवधान) लगातार गलतबयानी कर रहे हैं। ... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है, मैं दिखवा लूंगी।

... (व्यवधान)

SHRI KAPIL SIBAL: Madam, how will I carry on, if they do not allow me? ... (*Interruptions*)

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर, हि.प्र.): आप वकील के तौर पर एक करप्ट आदमी को बचाने के लिए आए थे। ... (व्यवधान) इनका परिचय लोक सभा से है। ... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री अनुराग सिंह ठाकुर आप बैठ जाइए।

... (व्यवधान)

SHRI KAPIL SIBAL: Madam, one last sentence and then I have done. As far as we are concerned, when we sit at this side of the House and look at that side of the House, we look beyond these walls; we look at the people of India. We look at the State in which they live; we look at our young; we look at the excitement in their eyes; the hope in their eyes; the energy that they have; and we want to create an environment so that they can flower and they can take India forward. That is how we make our policy. We do not make our policies which bases on whether we are sitting this side or that side, but what we can do for the people of this country.

Rajiv Gandhi Ji was the first person who looked at using computers with a vision. He knew the importance of computers and they opposed it for the sake of opposition. The same thing is happening today. When we sit here and when we look towards you, we look beyond you to those who we need to serve. When you look towards us, you look at these seats when you will come here. That is the difference you and us.

Comment [S2]: Cd by B

(13/1705/smn/cs)

श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा): हमने कम्प्यूटर का कब अपोज किया?...(व्यवधान)

श्री कपिल सिब्बल : आप क्या बात करते हो?...(व्यवधान) हमारे पूर्व प्रधानमंत्री जी को कम्प्यूटर बॉय बनाया था, आपको मालूम है!...(व्यवधान) आपने लिब्रलाइजेशन की हर नीति अपोज की, डब्ल्यू.टी.ओ अपोज किया, आपने लिब्रलाइजेशन इन फॉर्मा अपोज किया, हर सैक्टर में आपने अपोज किया!...(व्यवधान) जब आप सत्ता में आये तब आपने वही अपनाया तो कहने का मतलब है कि आपका दृष्टिकोण केवल यही सीट है, हमारा दृष्टिकोण हिन्दुस्तान की जनता है। धन्यवाद।

(इति)

1706 बजे

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): महोदया, यह सही है कि आज की चर्चा महत्वपूर्ण और गंभीर है। जहां तक एफडीआई का सवाल है, सिब्ल साहब ने इसकी बहुत प्रशंसा की है, लेकिन यह भी सोचो कि जब कोका कोला आया था और पेप्सी आयी थी, तब भी बहुत तारीफ की गयी थी। यह कहा गया था कि आलू और टमाटर की पैदावार बहुत बढ़ेगी और किसान को बहुत बड़ा लाभ होगा। यह कहकर कोका कोला और पेप्सी यहां लाये गये। उस समय भी हम लोगों ने कोका कोला और पेप्सी का विरोध किया था और साबित हो गया कि कोका कोला और पेप्सी से आलू या टमाटर की कोई पैदावार नहीं बढ़ी है और न कोई अभी बहुत विशेष सरकार की तरफ से भी मदद नहीं हुई है। अगर पैदावार बढ़ी है तो किसान की मेहनत से बढ़ी है, किसान की सूझबूझ से बढ़ी है। किसान ने पैदावार बढ़ायी है।

यह सही है कि पंजाब बहुत आगे था। आज धान के मामले में यू.पी. किसी से पीछे नहीं है और न ही गेहूं के मामले में किसी से पीछे है, न आलू में पीछे है और न ही प्याज में पीछे है। आप हिसाब लगाइये कि उत्तर प्रदेश में कितना गेहूं पैदा होता है, धान कितना पैदा होता है? उत्तर प्रदेश के बारे में जो अभी थोड़ा जिक्र किया गया था तो मुझे सोचना पड़ा कि उत्तर प्रदेश में किसानों को सरकार की तरफ अभी कोई भी विशेष सुविधा नहीं दी गयी है।

अगर कोई सुविधा दी गयी है तो बताएं। अगर थोड़ी बहुत जमीन बढ़ी है, बीहड़ में, जिस तरह से उत्तर प्रदेश आगरा से लेकर बांदा तक रहा है, क्या किसी को अंदाजा है? आगरा से लेकर बांदा तक, गंगा, यमुना और फुआरी के बीच का बीहड़ है, पूरा रेवाइन्स है, उस बीच में रहकर भी उन किसानों ने अपने बलबूते पर किसी भी तरह कुछ पैदावार बढ़ायी है। जहां तक किसान का सवाल है, किसान को अभी तक हिन्दुस्तान के अंदर कोई भी विशेष सुविधा नहीं दी गयी है।

जहां तक एफडीआई का सवाल है, आप कितनी भी सफाई दें, कितना भी तर्क दें, लेकिन यह देश के हित में नहीं है, यह आप सोच लीजिए।...(व्यवधान) न मैं आपकी तरफ से बोल रहा हूं और न ही आपके खिलाफ बोल रहा हूं। ...(व्यवधान) आप कह रहे हैं कि यह देश के लिए है तो देश के लिए ही हम बोल रहे हैं। ...(व्यवधान) हम कह रहे हैं कि एफडीआई देश के हित में नहीं है और क्यों नहीं है, एफडीआई अगर आती है तो आप यह देखेंगे कि जो आज अपना रोजगार खुद कर रहे हैं, हिन्दुस्तान में पांच करोड़ खुदरा व्यापारी हैं, आपके आंकड़े सही होंगे क्योंकि आप सरकार में बैठे हैं। जहां पांच करोड़ खुदरा व्यापारी हैं, हमारे किसान भी काम कर रहे हैं, एक परिवार में पांच सदस्य माने जाते हैं तो इस प्रकार से बीस से लेकर

पच्चीस करोड़ तो बेरोजगार हो ही जायेंगे। आप नोट कर लें कि हिन्दुस्तान के बीस से लेकर पच्चीस करोड़ लोग बेरोजगार हो जायेंगे। लोगों को रोजगार कहां से देंगे? इससे रोजगार नहीं मिलेगा।

Comment [C3]: Contd. By m3

(m3/1710/hcb/sr)

Comment [r4]: Shri Mulayam Singh Yadav cd

इससे बेरोजगारी बढ़ेगी। आप व्यावहारिकता पर जाएं। हम लोग इस तरह का कोई काम नहीं कर रहे हैं, हम तो आपकी मदद कर रहे हैं। अगर आपसे कहीं गलती हो रही है तो विपक्ष की भूमिका है कि गलती आपके सामने रखे और आपको सुधारें। इसलिए हम चाहते हैं और आपको राय देते हैं कि एफडीआई को छोड़ दीजिए, वापस कर दीजिए और सर्वदलीय बैठक कीजिए। एक दिन नहीं, दो दिन बैठक कीजिए कि हिन्दुस्तान का विकास कैसे हो। सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी की है। अगर यह बढ़िया होता, इससे फायदा होता तो अमरीका क्यों इसका विरोध कर रहा है? अगर यह अच्छी योजना थी तो अमरीका आपको यहाँ कभी नहीं आने देता, सब ले लेता, पूरा का पूरा खा जाता। लेकिन आज न्यूयार्क में प्रतिबंध लगा दिया है कि एफ.डी.आई. को प्रवेश नहीं करने देंगे। ...(व्यवधान) अगर हम यह बात गलत कह रहे हैं, अगर हमारी बात गलत है कि अमरीका विरोध नहीं कर रहा है, न्यूयार्क में प्रतिबंध लगा है, रोक लगा दी है, तो हम अपने शब्द विदड़ों करेंगे और आपसे माफी मांगेंगे। हम भी पता लगाकर कह रहे हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अनंत गीते जी, शांति रखें।

...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): महोदया, बेरोजगारी सारी दुनिया में है, अमरीका में भी है। यूरोप और अमरीका के लीडर्स यहाँ आते हैं तो यही सोचकर आते हैं कि हमारे देश में बेरोजगारी खत्म हो और यहाँ से हमें रोजगार मिले। जब ओबामा हिन्दुस्तान आए थे तो उन्होंने तो हिन्दुस्तान के प्रधान मंत्री जी से कहा कि हमारे लोगों को रोजगार दे दो। अखबार में आया और वह सच है, प्रधान मंत्री बता देंगे। ...(व्यवधान) तो अमरीका में भी बेरोजगारी है, यूरोप में भी बेरोजगारी है और इससे बेरोजगारी इसलिए बढ़ेगी कि अभी जैसा मैंने कहा कि जो पाँच करोड़ लोग खुदरा व्यापार करते हैं, वे इसके मुकाबले टिक नहीं पाएँगे। यह सही है कि वे कंपनियाँ आएँगी और यह जो कंपनी बताई वॉलमार्ट, यह पहले सस्ता और अच्छा माल देगी। जब यहाँ के पाँच करोड़ खुदरा व्यापारी खत्म हो जाएँगे तो वे मनमानी करेंगे। हमें अनुभव है। ...(व्यवधान) अमरीका के बारे में जो चर्चा रहती है कि सबसे संपन्न देश है, वहाँ की जनता भी इसका विरोध कर रही है। न्यूयार्क में जैसे मैंने बताया कि बंद ही कर दिया। इसलिए हम कहना चाहते हैं कि विदेशी कंपनियों द्वारा यह लोगों को धोखा देना है। यह धोखा है कि रोजगार मिलेगा। मैं कपिल सिब्बल साहब से प्रार्थना करता हूँ कि आप बहुत पढ़े लिखे हैं, सुप्रीम कोर्ट में अच्छे वकील हैं, बहुत अच्छी वकालत करते हैं, हम इसको

स्वीकार करते हैं। हमें इसका अनुभव भी है। लेकिन इससे बेरोज़गारी बढ़ेगी। अगर कोई खुदरा व्यापारी हैं, वे अगर पाँच करोड़ हैं तो आप बताइए वे क्या कर पाएँगे। वे मुकाबला नहीं कर पाएँगे। वे अच्छा और सस्ता माल देंगे और उन्हें घाटा भी हो जाता है तो उन्हें कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। जहाँ तक गरीब दुकानदारों पर यह थोपा जा रहा है, यह देश की जनता के साथ सीधे-सीधे धोखाधड़ी है। खुदरा व्यापार के लिए आपने कहा है कि यह 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में ही होगा। अगर यह फायदेमंद है, लाभकारी है और यह एफ.डी.आई. बेरोज़गारी को मिटाने वाला है तो आप पूरे देश में इसे लगाइए। यह कैसे हो सकता है कि दस लाख के ऊपर की आबादी वाले में लगाएँगे, वहाँ देंगे, एफडीआई को छूट देंगे, प्रवेश कराएँगे, निवेश कराएँगे, सब कराएँगे! अगर इससे बेरोज़गारी मिटती है या देश संपन्न होता है तो पूरे देश में लगाइए।

डॉ. मुरली मनोहर जोशी (वाराणसी): फिर तो गाँवों में लगाइए। ... (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): हाँ, फिर तो पूरे देश में पार्लियामेंट भी आ गया। ... (व्यवधान)

(n3/1715/mm/kmr)

इसको आप भी गम्भीरता से लीजिए। आपने कहा कि दस लाख से कम आबादी के शहरों में नहीं जाएंगी। आखिर कम्पनियां वहाँ क्यों नहीं जाना चाहती हैं? वॉलमार्ट और विदेशी कम्पनियां दस लाख से कम आबादी के शहरों में क्यों नहीं जाना चाहती, क्योंकि उन्हें मुनाफ़ा चाहिए। जहाँ मुनाफ़ा ज्यादा होगा, तो जहाँ गरीब लोग होंगे, वह नहीं खरीद पाएँगे। अभी गाँवों में क्या हालत है? आत्महत्या शहरों में हो रही है या गाँवों में हो रही है? किसान आत्महत्या कर रहा है, शहर वाले आत्महत्या नहीं कर रहे हैं। आत्महत्या किसान, गरीब और मजदूर कर रहा है। इस बारे में आपको सोचना होगा। हमारी सरकार से मांग है कि जो छोटे-छोटे खुदरा व्यापारी हैं, जो कि अपनी मेहनत से कमाते हैं, उनको आप आत्महत्या करने के लिए मजबूर मत कीजिए। अब तक किसान आत्महत्या कर रहा था, अब छोटे व्यापारी और खुदरा व्यापारी भी आत्महत्या करेगा, क्योंकि उनके पास कोई रोज़गार नहीं होगा। उनके पास न तो खेती है और अब उनके पास दुकान भी नहीं रहेगी। इस पर आप गम्भीरता से विचार करें। इधर जो बैठे हुए लोग हैं, उनके दिल से पूछिए कि वह क्या कहता है? अनुशासन का ऐसा कोढ़ है कि अनुशासनहीनता करेंगे तो निकाल कर आप बाहर कर देंगे। किसी को मंत्रिमण्डल से हटा देंगे। बोलेंगे वही जो आप कहेंगे, बोलेंगे वही जो सोनिया जी कहेंगी। आदरणीय सोनिया जी के हुक्म का पालन करना होगा, क्योंकि वह अध्यक्ष हैं। अध्यक्ष के आदेश का या निदेश का पालन करना ही पड़ेगा। यह हमारे यहाँ भी है और आपके यहाँ भी ऐसा ही है। आडवाणी साहब को कितना आप पीछे कर दीजिए, लेकिन नेता आडवाणी साहब हैं। यह तो मानना पड़ेगा। मैं यह जनता की

Comment [r5]: Cd by n3

Comment [M6]: Cd Yadav

बात कह रहा हूँ। आडवाणी साहब पार्टी में जो कहेंगे, उसकी ज्यादा मान्यता होगी। इसलिए आपने जो पार्टी का अंकुश लगाया हुआ है, उसे हटाइए। हम इस बात से सहमत हैं कि देश हित में ही आप करें। आपने कहा कि हम देश के साथ हैं, इन्होंने कहा कि हम देश के साथ हैं। यह तो आप दोनों की नूरा कुश्ती है। हम लोग छोटे दल हैं, इसलिए हमें धक्का मार कर इधर-उधर किया जा रहा है। हमें सुनने भी नहीं दे रहे हैं। न ही आप के लोग सुनने दे रहे हैं, न ही आपके लोग सुनने दे रहे हैं। यह तो नूरा कुश्ती है कि हम दो ही रहें, आप रहें और आप रहें, हम लोग न रह पाएँ।...(व्यवधान) हम समझते हैं कि आप दोनों चाहते हैं कि हम सत्ता में नहीं आएँ। आप दोनों चाहते हैं कि आप आएँ या आप आएँ, तीसरा न आने पाएँ।...(व्यवधान) जोशी साहब, आप मुझे बचपन से जानते हैं। मुझे भी बहुत सालों का अनुभव है। वर्ष 1967 से अभी तक लगातार एमएलए हैं या एमपी हैं या चैयरमैन हैं या मिनिस्टर हैं या रक्षा मंत्री रहे हैं। लेकिन मेरा भी तो अनुभव है। इसलिए इस आधार पर कह सकते हैं कि अब हम नहीं आ सकते हैं। हम दोबारा वर्ष 1977 नहीं जीत सकते हैं। हम अपनी हैसियत को जानते हैं। अब आपको आना है या इनको आना है।...(व्यवधान) हमारी लॉबी मजबूत हो सकती है। हमारी लॉबी मजबूत होगी, इसमें दो राय नहीं है।...(व्यवधान) सच्चाई यह है कि इन कम्पनियों ने, उस वक्त मैंने कोका कोला और पैप्सी का जिक्र किया था। 80 करोड़ रुपये लगाए और देश के केवल 80 किसानों ने खरीदारी की। अब आप सोचिए कि यह हालत है। हम लोगों को अनुभव के आधार पर सोचना चाहिए।

Comment [M7]: Cd by o3

Comment [MSOffice8]: Sh. Mulayam Singh Yadav Cd.

(o3/1720/rv-vp)

आप गांधी जी के विचारों को भूल रहे हैं। ये लोग तो गांधी जी के विचारों को भुला देंगे, इनके बारे में हमें कुछ नहीं कहना है। दूसरी बात है गांधी के विचारों को बनाए रखना। गांधी जी ने जब विदेशी कपड़े में आग लगायी और वह विदेशी कपड़ा अच्छा था तो एक अंग्रेज ने गांधी जी से पूछा कि कपड़ा अच्छा है, मजबूत भी है, फिर भी आप विदेशी कपड़ों में क्यों आग लगवा रहे हैं, इसका क्यों विरोध कर रहे हैं? गांधी जी ने कहा कि हमारे बुनकर आत्महत्या कर लेंगे, इसलिए हम अपने हिन्दुस्तान के बुनकरों को बचाने के लिए इन कपड़ों का विरोध कर रहे हैं। यह गांधी जी ने कहा है। इसे मत भूलें। आप तो आज भी गांधी जी के नाम पर ही हैं। मैं आदरणीय सोनिया जी से कहूंगा कि राजीव गांधी और आप के नाम में भी गांधी है तो कम से कम गांधी की बातों को मत हटाइए, गांधी की बातों को मानिए। गांधी स्वदेशी के पक्ष में थे, विदेशी के खिलाफ थे। इसी स्तर पर गरीब, किसान, मजदूर दुकानदारों के बीच गांधी जी स्वदेशी चाहते थे, विदेशी नहीं चाहते थे। आप स्वदेशी भूल रहे हैं और विदेशियों को ला रहे हैं।...(व्यवधान)

मैं अपने प्रधानमंत्री जी से अपील करूंगा कि आप एक बहुत बड़े अर्थशास्त्री हैं। आपके पास बहुत ज्ञान है। आपने पूरे विश्व में काम किया है। प्रधानमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री होने के पहले भी

विश्व के तमाम अनुभव आपके पास हैं। इसलिए मेरी आपसे अपील है और सोनिया जी से मेरी विशेष प्रार्थना है कि इसे छोड़ दीजिए। इसे एक-दो साल के लिए छोड़ दीजिए। अगर यह लगेगा कि खुदरा व्यापार में एफ.डी.आई. से फायदा है तो हम भी समर्थन कर देंगे, इस पर सोचेंगे। पर, अभी इसे वापस लीजिए। इस पर क्यों कंट्रोवर्सी कर रहे हैं?

अभी चुनाव आ रहे हैं। ये बहुत होशियार लोग हैं। गांव-गांव में ऐसा प्रचार हो जाएगा। आर.एस.एस. गांव-गांव में है। अगर ये बढ़िया से बढ़िया प्रचार करेंगे तो क्या होगा? इसलिए चुनाव की दृष्टि से भी आपको एफ.डी.आई. से कोई लाभ नहीं होने वाला है, इससे नुकसान होगा। आप जाएंगे तो फिर ये आ जाएंगे। हम तो आने वाले नहीं हैं। हम तो आपको सहयोग देंगे या सहयोग वापस लेंगे।...(व्यवधान) इसलिए हम कोई लम्बी-चौड़ी बातों में नहीं जाना चाहते। बहुत-सी बातें आप सभी लोगों ने कह दीं। हमारे तृणमूल कांग्रेस के नेता ने भी सारी बातें कह दीं तो मैं उसे दोहराना नहीं चाहता हूं। मैं अपने अनुभव, स्थिति और पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों के आधार पर कहता हूं कि हम गांधी जी, लोहिया, और जयप्रकाश को मानते हैं। हम आज कहते हैं कि गांधी, लोहिया, और जयप्रकाश जी अगर होते तो आज एफ.डी.आई. लाने की हिम्मत किसी की नहीं होती।

(इति)

MADAM SPEAKER: Thank you.

Hon. Members, if the House agrees, we will have this discussion till 6.30 p.m.

... (*Interruptions*)

SOME HON. MEMBERS: No.

MADAM SPEAKER: No? What do you want?

... (*Interruptions*)

SOME HON. MEMBERS: Tomorrow.

... (*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: I have a very long list of speakers. Do you want to sit only till 6 p.m.?

... (*Interruptions*)

SOME HON. MEMBERS: Tomorrow we can sit beyond 6 p.m., starting from 12 noon.

... (*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: All right. But I would not be able to accommodate all, unless all of you are very brief.

Okay, Shri Dara Singh Chauhan.

1724 बजे

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): अध्यक्ष महोदया, आज सुबह से खुदरा व्यापार में एफ.डी.आई. को लेकर दोनों पक्षों की तरफ से गर्मजोशी से बहस हुई। आज केवल संसद ही नहीं, बल्कि पूरे देश में एफ.डी.आई. को लेकर लोगों के मन में जो शंकाएं हैं, जो संदेह है, उस सवाल को लेकर पूरे हिन्दुस्तान के लोग आज टेलीविज़न पर लोक सभा चैनल पर नज़र गड़ाए हुए हैं कि पार्लियामेंट में क्या होने जा रहा है?|

(p3/1725/sb-rk)|

लोगों की चर्चा के बाद लब्बो-लबाब उसका सारांश आया कि कुछ क्षेत्रों में लोग एफडीआई के खिलाफ नहीं हैं। खुदरा बाजार में कुछ क्षेत्रों को लेकर जो आशंकाएं हैं, इसे लेकर लोगों के मन में आशंका है कि अगर एफडीआई आएगा तो निश्चित रूप से देश में रहने वाले जो गरीब किसान और बुनकर हैं, उनका नुकसान होगा। लोग आज से कई दशक पहले की बात याद करते हैं, जब दो सौ साल तक अंग्रेजों ने इस मुल्क में राज किया तो कोई पावर, सड़क के क्षेत्र में नहीं, बल्कि मसाला उद्योग को लेकर मसाला के क्षेत्र में जो खुदरा व्यापार था, जो गरीब किसान करते थे, उसमें आने के बाद दो सौ साल तक इस मुल्क में अंग्रेजों का राज रहा। लोगों के मन में जो शंका और संदेह है कि खुदरा क्षेत्र में आने के बाद कहीं ऐसा न हो कि इस देश में गांवों में रहने वाले जो लोग कारोबार से जुड़े हुए हैं - चाहे बुनकर हो या किसान हो। छोटे-छोटे दुकानदार एवं फेरी वाले हैं, उन पर कब्जा हो जाएगा। उनके मन में यह शंका है, वही पहले वाली बात आज भी उनके मानस पटल पर घूम रही है। मसाला कोई बड़ा क्षेत्र नहीं था, ये खुदरा था, मसाला व्यापार में आने के बाद दो सौ साल तक इस मुल्क में रहने वाले लोगों ने, इस मुल्क की आजादी के लिए अपनी जान की कुर्बानी दी। कहीं फिर ऐसी स्थिति न पैदा हो जाए कि खुदरा व्यापार में, ये कहने के लिए रिटेल में है, जो छोटे-छोटे उद्योग हैं। जब से इस देश में उदारीकरण लागू हुआ, उदारीकरण चल रहा है, तब से इस देश में अमीर और गरीब की जो खाई है, वह काफी बढ़ गई है। अमीर, अमीर होता जा रहा है और गरीब, गरीब होता जा रहा है। उदारीकरण की नीति, बाजार पर आधारित पूंजीपतियों के जो पोषक हैं, वही किसानों के दुश्मन हैं।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहता हूँ कि आज जो मल्टी-ब्रांड में एफडीआई की बात हो रही है, वह इसी का अंग है, इसी का दूसरा रूप है। आज एफडीआई को आप एलआईसी में, सिविल एविएशन में लाए हैं। आप पावर एवं इरीगेशन में लाइए, दूसरे क्षेत्रों में जहां देश का भला हो। इस देश में रहने वाले जो 70 फीसदी किसान और मजदूर हैं, जो बेबस एवं लाचार हैं, जो छोटे-छोटे कारोबार करके अपने बच्चों का पेट पालते हैं, आज फिर उन्हीं पर निगाहें लगी हैं। आज दुनिया के तमाम मुल्कों की निगाहें उन गरीबों पर लगी हैं, जो मजदूरी, मेहनत करके खोमचा-ठेला पर मूंगफली एवं

Comment [MSOffice9]: Cd. by p3

Comment [s10]: Dara singh

चना बेचता है। आज उन बुनकरों की हालत क्या है। आज देश का बुनकर भुखमरी के कगार पर है, उनकी हालत क्या है। इस देश में आज भी हम किसान को अच्छा ढांचा, सड़क एवं सिंचाई का साधन नहीं दे पाए। उनको बिजली नहीं दे पा रहे हैं, पर्याप्त सिंचाई के साधन नहीं हैं और हम एफडीआई की बात कर रहे हैं। आए-दिन डीजल के रेट बढ़ रहे हैं, पेट्रोल एवं बिजली के दाम बढ़ रहे हैं। आज इस देश में जो हालात हैं, उसमें किसान कहां जाएगा।

(q3/1730/mkg/rc)

Comment [M11]: Shri dara singh chauhan cd.

आज खाद महंगी हो रही है, पानी महंगा, बिजली महंगी, डीजल महंगा और इसके नाते आज जो खेत में काम करने वाले किसान हैं, जो आज भी इस मुल्क में 70 प्रतिशत लोग किसान का काम करते हैं, उसी पर आधारित हैं, क्या उनको इससे उनका वाजिब हक मिल सकता है, वाजिब मूल्य मिल सकता है? तो फिर वे स्टोर में जाकर क्या खरीदेंगे, जब उनके पास कुछ नहीं रहेगा। सरकार का मानना है कि मल्टी ब्राण्ड रिटेल में विदेशी पूंजी निवेश से कीमतें कम हो जाएंगी और जो बिचौलिया की भूमिका है, वह खत्म हो जायेगी। हम सरकार से जानना चाहते हैं कि किसान और उपभोक्ता के बीच में जो छोटे-छोटे आढ़तिए हैं, जिन्हें आप बिचौलिया कहते हैं कि ये खत्म हो जाएंगे, ये बहुत लूट रहे हैं तो हम पूछना चाहते हैं यह वालामार्ट क्या है? उत्पादन करने वाले जो किसान हैं और जो कंज्यूमर हैं, उनके बीच में जो दलाली करने वाला वालामार्ट है, इसको बिचौलिया नहीं तो हम क्या कहेंगे? 20 लाख करोड़ रुपये का इनका टर्नओवर है। हिन्दुस्तान में एफ.डी.आई. के माध्यम से आज जो विदेशी कम्पनियां आ रही हैं, उनमें हिन्दुस्तान से क्यों इतना प्रेम जगा है, क्यों किसानों से और यहां के लोगों से प्रेम जगा है? ये बिचौलिया केवल मुनाफे के लिए यहां आ रहे हैं। हिन्दुस्तान के किसानों को आबाद करने के लिए नहीं, इन्हें बर्बादी के कगार पर पहुंचाने की यह साजिश हो रही है।

यह लोकतंत्र है, इसलिए हम सरकार से जरूर जानना चाहते हैं कि जो बड़े-बड़े स्टोर के मालिक हैं, उपभोक्ता को जो सस्ते दामों पर चीजों को उपलब्ध कराने का दावा करते हैं, ये किसानों और उपभोक्ताओं के बीच में बिचौलिया नहीं तो क्या हैं? 20 लाख करोड़ रुपये का जो इनका टर्नओवर है, यह टर्नओवर क्या है? आप कहते हैं कि मल्टी ब्राण्ड रिटेल में एफ.डी.आई. आने से खुदरा क्षेत्र के लोगों को रोजगार मिलेगा। मुझे तो लगता है कि जो रोजगार आज तक मिला हुआ है, उसे खत्म करने की यह साजिश हो रही है। जिस तरीके से इस देश में बाबासाहेब ने संविधान में व्यवस्था दी, एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. को नौकरियों में जो आरक्षण दिया, आज प्राइवेट सैक्टर में वह आरक्षण नहीं होगा, उस आरक्षण को खत्म करने की इस मुल्क में यह साजिश हो रही है।

आज देश में 20 लाख करोड़ का जो सरकारी आंकड़ा है, उनको पता होगा, मुझे पूरी ऑथेंटिक जानकारी नहीं है, लेकिन 20 लाख करोड़ का जो निवेश करेंगे, इतना जिनका टर्नओवर है, वे केवल 20 लाख लोगों को नौकरी दे रहे हैं, लेकिन इस देश में भारत में रहने वाले जो खुदरा व्यापार में लगे हुए लोग हैं, उनका भी 20 लाख करोड़ रुपये का टर्नओवर है, लेकिन लगभग इतने ही रुपये में चार करोड़ लोगों को वे नौकरी दिये हुए हैं तो हम कैसे मान सकते हैं कि उनके यहां आने से रोजगार बढ़ेगा। मुझे तो लगता है कि इससे रोजगार खत्म होंगे। जो भी होगा, इसका पता कल चलेगा।

यह कहा जा रहा है, माननीय सिब्लल साहब कह रहे थे कि जिस प्रदेश में पूंजी लगानी हो, लगाइये। ये जो 10 लाख की आबादी वाले शहर हैं, हम कहना चाहते हैं कि आज 17 करोड़ इस मुल्क के जो लोग हैं, वे देश में 10 लाख की आबादी वाले शहरों में रहते हैं, मुझे पूरी आशंका है कि पूरे तरीके से उन 17 करोड़ भारतीयों को, जो 10 लाख की आबादी वाले शहरों में रहने वाले लोग हैं, उनको लूटने की साजिश हो रही है।

(r3/1735/cp/snb)

Comment [M12]: Cd by r3

Comment [p13]: श्री वारा सिंह चौहान जारी

अध्यक्ष जी, यह गांधी जी का देश है, गांधी जी को मानने वाले लोग भी हैं, लेकिन गांधी जी ने स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने की बात कही थी, विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया था। मैं समझता हूँ कि उनके नाम का अपमान होगा, अगर इस तरह से खुदरा में एफडीआई को लाने का हम प्रयास करेंगे।

अध्यक्ष महोदया, आज पूरे यूएस में वॉलमार्ट के खिलाफ जबरदस्त तरीके से संघर्ष हो रहा है। वहां पर अगर उनको फायदा होता तो अमेरिकी सरकार उनको एक लाख करोड़ की सब्सिडी क्यों देती? अध्यक्ष महोदया, वहां पर जो खेती होती है, केवल कारपोरेट जगत के लोगों के लिए, कारपोरेट घरानों का पेट भरने के लिए वहां खेती होती है। मैं यह भी जानना चाहता हूँ कि जब एफडीआई आएगी, तो जो खुदरा व्यापार में होगा, खुदरा क्षेत्र में 30 परसेंट यहां के उत्पादित माल को खरीदेंगे, मैं जानना चाहता हूँ कि किस आधार पर आपने असेसमेंट किया है कि 30 परसेंट, क्यों नहीं 50 परसेंट, क्यों नहीं 20 परसेंट, क्यों नहीं 70 परसेंट? हम जानते हैं और जिस तरीके से दुनिया में खबरें आ रही हैं कि वॉलमार्ट का पूरे देश में जो कब्जा होने जा रहा है। अगर हमारे उत्पादन का 30 परसेंट खरीदकर वे डम्प भी कर दें तो 70 फीसदी में वे इतना मुनाफा कमायेंगे कि दुनिया के तमाम मुल्कों से सामान लाकर हमें गुलाम बनाने की साजिश होगी।... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, आज इन्हीं सारी चीजों के साथ मैं समझता हूँ कि जिस तरीके से प्राइवेट सेक्टर में खुदरा व्यापार में कम्पनियां आ रही हैं, निश्चित रूप से इस देश में जो शैड्यूल कॉस्ट के लोग हैं, ट्राइबल क्लास के लोग हैं, ओबीसी के लोग हैं, जो उन्हें संविधान के आधार पर नौकरी मिली है, उन्हें खत्म करने

की साजिश हो रही है। अध्यक्ष महोदया मैं जरूर कहना चाहता हूं कि हमारी पार्टी का यह कहना है कि एक तरफ केंद्र सरकार यह मानकर चल रही है कि खुदरा व्यापार, किराना के क्षेत्र में एफडीआई को लाने से काफी फायदा होगा। वहीं दूसरी तरफ दूसरा पक्ष है, जो केंद्र सरकार के फैसले पर पूरे देश में हर स्तर पर इससे काफी ज्यादा नुकसान होने की बात कर रहा है। ऐसी स्थिति में किराना क्षेत्र में एफडीआई की नीति के नफा-नुकसान को आजमाये बिना जल्दबाजी में कोई निर्णय लेना उचित नहीं होगा। इसलिए हमारी पार्टी का केंद्र की सरकार को सुझाव के तौर पर कहना है कि केंद्र की सरकार ने जिन कांग्रेस पार्टी शासित राज्यों में खुदरा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश अर्थात् एफडीआई की अनुमति प्रदान की है या करना है और उन राज्यों में इस नीति का अनुभव कैसा रहता है, उसकी एक तय निश्चित अवधि सीमा में न केवल सरकारी स्तर पर, बल्कि संसदीय स्तर पर भी इसकी गहन समीक्षा करने की आवश्यकता है। इसके बाद फिर इस नीति को जारी रखने या न रखने संबंधी अंतिम फैसला लेने के लिए केंद्र सरकार को कोई कदम उठाना चाहिए। हालांकि इस संबंध में हमारी पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन कुमारी मायावती ने 9 अक्टूबर को बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक मान्यवर कांशीराम साहब की छठवीं पुण्यतिथि के अवसर पर लखनऊ में लाखों लोगों के बीच में एक राष्ट्रीय संपर्क महारैली में कहा था कि यदि केंद्र सरकार के हिसाब से देश में खुदरा बाजार अर्थात् किराना के क्षेत्र में एफडीआई लागू करने से यहां के किसानों व छोटे कारोबार में लगे लोगों तथा यहां की आम जनता के हित के साथ-साथ अपने देश की अर्थव्यवस्था में भी काफी सुधार आ जाता है तो हमारी पार्टी आगे चलकर इस पर विचार जरूर करेगी, इसका स्वागत करेगी।

हालांकि केंद्र सरकार की इस नीति में देश की जनता के लिए केवल एक जो खास पक्ष इनका है कि केंद्र सरकार द्वारा खुदरा बाजार में वर्तमान एफडीआई की जो नीति है, वह देश के किसी भी राज्य में जबरन थोपी नहीं जाएगी अर्थात् देश में कोई राज्य अगर खुदरा व्यापार चाहे, एफडीआई लागू करना चाहे तो लागू करे, केंद्र सरकार को उस पर कोई दबाव नहीं होगा।

(s3/1740/ru/raj)

अध्यक्ष महोदया, जिस तरह से गैट है जिसकी चर्चा प्रतिपक्षी नेता कर रहे थे, जो आपका अंतर्राष्ट्रीय समझौता है जिसमें नेशनल ट्रीटमेंट का जो प्रावधान है इस पर भी हमें बारीकी से देखना पड़ेगा क्योंकि हमारी पार्टी ने इसे काफी गंभीरता से संज्ञान में लिया है। इस के अलावा इस मुद्दे पर हमारी पार्टी को देश में सांप्रदायिक ताकतों को बढ़ावा देने वाली पार्टियों ... (व्यवधान) अभी तो आपने पूरी बात नहीं सुनी है।

अध्यक्ष महोदया : कृपया आप इधर देख कर बोलिए।

Comment [p14]: cont by s3.h

Comment [I15]: Cd by Shri Dara Singh

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

...(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): इसके अलावा इस मुद्दे पर हमारी पार्टी को देश में सांप्रदायिक ताकतों को बढ़ावा देने वाली पार्टियों के साथ खड़ा होना है या खड़ा नहीं होना है, इस बात को ले कर हम सोच रहे हैं। ...(व्यवधान) इस पर हम गंभीरता से विचार कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदया, इन दोनों खास बातों को ध्यान में रख कर ही देश व जनहित में सही और उचित निर्णय, हमारी पार्टी जब कल शाम को वोटिंग होगी, उस समय बताएगी कि हम क्या करने जा रहे हैं? इन्हीं सब जरूरी बातों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ। धन्यवाद।

(इति)

1742 hours

SHRI T.K.S. ELANGO VAN (CHENNAI NORTH): Thank you Madam Speaker for allowing me to speak on the Motion proposed by the hon. Leader of Opposition.

Madam, at the outset, the Leader of Opposition of the House had stated that the stakeholders were not consulted. When she said it, she mentioned that the Chief Ministers of States and political parties as stakeholders. The hon. Minister, Shri Kapil Sibal had said that by allowing FDI in retail, the farmers and the consumers will get a fair deal. But the actual stakeholders are the traders. I do not know whether the Government has consulted the traders or not.

You know that, in our country, traders form a class. Amongst the four classes of the Hindu community, traders themselves or the Vaishyas, are a class. They were not consulted. This notification says that the above policy is an enabling policy only. By saying that it is an enabling policy is like the story of the Pied Piper of Hamelin. He says that he will blow the pipe and go, and whoever comes with him can come and fall in the river. It is similar to that. So, this enabling policy will induce the State Governments at one point or another to join this band wagon.

I am not telling this as your opponent. I am telling this as your brother. I know that the injury is in the hand. I have diagnosed that the injury is in the hands. I say that only the hand should be treated and I do not want the whole body to be scanned like what the Opposition says. As a brother, as a partner, I warn you that this will definitely is not in the interest of the trading community.

It is said that about 30 crores of people are employed in the trading community and most of them are not working in big shops. They run their shops individually. This is the biggest source of self-employment. A man with some self-respect, whatever money he has, can invest in a small shop and run his family with it.

Comment [U16]: cd. by t3

(t3/1745/rbn/nsh)

Comment [r17]: Shri elangovan
contd.

He may not get much out of it. But at least he can lead a reasonable life. Hon. Minister, Shri Kapil Sibal, was defending this decision from the Government's side. He said that by allowing the FDI in retail business, farmers will get a fair deal, consumers will get a fair deal, which means until now they are not getting a fair deal and that the traders are cheating both the sections of the people. This is true. ... (*Interruptions*) If you say that this statement is true then you must support them.

MADAM SPEAKER: Shri Elangovan, please address the Chair.

SHRI T.K.S. ELANGO VAN (CHENNAI NORTH): It is said that at least fifty per cent of the total FDI brought shall be invested in back end infrastructure. Any company or any trader who is going to invest here will build his own infrastructure. This would not be a common facility. This facility will not be used for a common purpose. This is for his own use. If you put a condition that this infrastructure would be considered as a common facility, then it is good. Further, infrastructure has included processing, manufacturing, distribution, design improvement, quality control, packaging, logistics, storage, warehouse, agricultural market produce, etc. But cold storage is not included in it. So, that should also be included.

Secondly, we can understand if fresh agricultural produce, including fruits and vegetables, are exempted, but you have also exempted grains. That is not in the interest of the common people. We want the grains to be excluded from this. Only fresh poultry, fishery, fruits, vegetables, and flowers can be included from the unbranded category, but not grains. Grains should be from the branded category.

So, my worry is that this will greatly affect the large chunk of traders who are having small shops. History is testimony to this. Earlier there were reports that it has affected the small traders and millions of people.

The hon. Minister has said that the Walmart has failed in China, and Walmart has failed here and that people will not go to Walmart as it will be situated outside the city. Then, why we need Walmart here? When people will not go there and when there is no space in the cities with more than ten lakh population, then why Walmart?

The only point on which we have to stand by the Government and we stand by the Government is that, you have stated that it is the need of the hour to save the fiscal condition of the States. So, we do not want to let you down. Secondly, we do not want to join the Opposition, we do not want to join the BJP. ... *(Interruptions)* We are not neutral. We are against the FDI in multi-brand retail. We were the first Party to oppose this by way of a Resolution, by incorporating this in our manifesto. But still we do not want to oppose you or vote against you because we know that only the hand is injured and we do not want to put you for a whole body scan. So, we have time. We are with you. We will watch you and we will correct you as and when necessary because we have to face the people. We have made many promises. We have together done many good things for the country. One or two things may be not in the interest of the people for which we do not want to let you down.

While registering my strong opposition to the FDI in multi-brand retail, I also support the Government. With these words, I conclude.

SHRI T.R. BAALU (SRIPERUMBUDUR): We will not allow the FDI in Tamil Nadu.

(ends)

(u3/1750/brv-rjs)

SHRI NISHIKANT DUBEY (GODDA): Who are you to do that? You are not in power in Tamil Nadu.... (*Interruptions*)

SHRI T.R. BAALU (SRIPERUMBUDUR): We do not allow FDI in Multi-Brand Retail in Tamil Nadu.... (*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Shri Basu Deb Acharia to speak now.

... (*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Madam, I will start today and continue tomorrow.

MADAM SPEAKER: Do you not want to speak now?

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): I will start today and continue tomorrow also.

MADAM SPEAKER: You will start today and finish it tomorrow!

... (*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: You have to speak for only ten minutes. Please start it.

1750 बजे

श्री बसुदेव आचार्य (बांकुरा): अध्यक्ष महोदया, वामपंथी दल शुरु से ही प्रत्यक्ष विदेशी पूंजी निवेश का खुदरा व्यापार में विरोध कर रहे हैं। मुझे याद है कि वर्ष 2005 में वॉलमार्ट के चीफ एग्जीक्यूटिव आफिसर दिल्ली आये और हमारे प्रधान मंत्री श्री मनमोहन सिंह जी से मिले। वे उस समय वॉलमार्ट को हमारे देश में खुदरा व्यापार में आने की इजाजत मांगने के लिए आये थे। वर्ष 2005 में एक कोआर्डिनेशन कमेटी लेफ्ट और यूपीए-वन की थी, उसमें जब यह प्रस्ताव रखा गया तब हमने उसका विरोध किया। वर्ष 2005 में ही लेफ्ट पार्टी की तरफ से एक नोट पेश किया गया, जिसमें बताया गया कि हम इसका क्यों विरोध कर रहे हैं और हमारा विरोध करने का क्या कारण है? यह हमने उसी समय बता दिया था। यूपीए-वन भी चाहती थी कि वह हमारे देश में आ जाये और उसे इजाजत देने के लिए वे तैयार थे, लेकिन हमारे विरोध के कारण इजाजत नहीं दे पाये। हमने फैसला ले लिया था कि हम इसे समर्थन न करके विरोध करेंगे, क्योंकि उस समय हमारे ऊपर सरकार निर्भर थी। वामपंथी दल के 61 सदस्य थे। उस समय हम सरकार को बाहर से समर्थन दे रहे थे। हम सरकार में शामिल नहीं थे। आपके साझे न्यूनतम कार्यक्रम को हम समर्थन दे रहे थे। हम किसलिए विरोध कर रहे हैं? हम केवल विरोध करने के लिए विरोध नहीं कर रहे हैं। हमने कभी ऐसा नहीं देखा कि एक ऐसे मुद्दे को लेकर हमारे देश में खाली विरोध, जो विरोधी पक्ष है, *not only the opposition parties but also the allies like the DMK, the Trinamool Congress* उस समय सत्ता में थे और हमारे पुराने दोस्त नेता जी मुलायम सिंह ...*(व्यवधान)* अभी भी हैं। पुराने दोस्त, हमने बोला न पुराने दोस्त, वे उस समय सरकार को बाहर से समर्थन दे रहे थे और अभी भी दे रहे हैं। बीएसपी भी बाहर से समर्थन दे रहे हैं। जब सरकार ने पिछले शीतकालीन सत्र में फैसला लिया, तब हमने देखा कि हमारे इस सदन के कम से कम 60 फीसदी सदस्यों की एक ही मांग थी कि *you roll back FDI in Multi-Brand Retail*. हमने कभी ऐसा नहीं देखा। *I have never seen it during my 32 years of Parliamentary life in this House. I had never seen it in the past. I had also never seen on 20th September when there was a Bharat Bandh.*

(w3/1755/spr-rps)

Comment [r18]: Cd by w3

Comment [119]: Sh acharia cd

During the All India Strike, parties extended their support. हमारे साथ हमारा पुराना दोस्त मुलायम सिंह यादव थे, एक साथ हम लोग गिरफ्तार हुए। देश भर में लाखों-करोड़ों की तादाद में लोग विरोध में सड़कों पर उतर गए। ऐसा विरोध कभी नहीं हुआ। किसलिए यह विरोध हुआ अगर देश के हित में है। आनन्द शर्मा जी, आपने एक बहुत बड़ा खत लिखा है, तीन पन्ने का खत लिखा है, मैंने उसे गौर

से पढ़ा, क्या है उसमें, क्या करना चाहिए। आपने बताया है कि रोजगार होगा, कहां से रोजगार होगा? कैसे आपको पता चला कि रोजगार होगा? क्या आपने देखा नहीं कि दुनिया भर में इतने सारे सुपर-मार्केट्स में 21 लाख लोग लगे हैं। कपिल सिब्बल जी, क्या आपको पता नहीं है कि 21 लाख है उनका और हमारे देश में आकर तीन साल के अंदर में 40 लाख होगा। क्या सपना दिखा रहे हैं लोगों को? अरे, बेरोजगार बढ़ रहा है, गांवों में बढ़ रहा है, शहरों में बढ़ रहा है, 0.8 प्रतिशत है अभी। वर्ष 2001 से 2010 तक रोजगार में 0.8 प्रतिशत ग्रोथ हुई है। यह आपको पता नहीं है कि अनइम्प्लायमेंट बढ़ रहा है।

1755 बजे

(डॉ. एम. तम्बिदुरई पीठासीन हुए)

There is a growth in unemployment; not in employment in our country.

There is economic slow down. क्या आपको पता नहीं है? अगर वालमार्ट एक रोजगार देगा, तो 17 लोगों का रोजगार छीनेंगे। कपिल सिब्बल जी, आपको पता नहीं है। क्या आपको मालूम नहीं है कि वालमार्ट का एक सुपरमार्केट खुलने से 1300 रिटेल दुकानें उजड़ जाएंगी? फिर भी आप इसका समर्थन कर रहे हैं? एक परिवर्तन हो जाएगा हमारे देश में। आज किसान आत्महत्या कर रहा है, 2,76,000 किसानों ने हमारे देश में आत्महत्या की है, उसके लिए आपको चिंता नहीं है। उसके लिए आपकी आंखों में आंसू नहीं हैं।

In China, 90 per cent of retail trade is under Government control. Shri Rajiv Shukla, you don't know. You are talking about China. How much today? Wal-Mart is sourcing from our country only one billion; but from China – 20 billion. You are talking of China. How much Wal-Mart is sourcing from China? It is 20 billion; from India, one billion. I know about every country. How much from China? Ninety per cent of retail trade is under Government control. After when they had the experience of displacement of retail trade, then, they enacted stricter legislation and regulation. You don't have that. You are talking of China. How many will be displaced? You can't give employment to the people of our country; and when there is self-employment; they are self-employed. आपसे नौकरी या रोजगार नहीं मांग रहे हैं। छोटी-छोटी दुकान खोलकर बैठे हैं, अपना व्यापार कर रहे हैं। परिवार पाल रहे हैं।

Comment [A20]: cd. by x3.h

(x3/1800/har-ksp)

Comment [A21]: Shri Basudeb Acharia cd.

20 करोड़ से ज्यादा है, उसे आप खत्म करना चाहते हैं। बोले, हम तो कुछ नहीं करना चाहते, अभी तो 53 शहरों में इजाजत देंगे।

MR. CHAIRMAN (DR. M. THAMBIDURAI): Mr. Basu Deb Acharia, you can continue your speech tomorrow.

**(FOR REST OF THE PROCEEDINGS,
PLEASE SEE THE SUPPLEMENT.)**